महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण
आत्म चैतन्य से युक्त हो रहा है नया भारत : प्रो. कुमुद शर्मा

वर्धा, 18 अगस्त 2025: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि नया भारत आत्म चैतन्य से युक्त हो रहा है. कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने विश्वविद्यालय के वनस्पति भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

उन्होंने कहा कि आज़ादी की परिकल्पना समाज में रहकर ही की जा सकती है। इसके लिए विवेक की जरूरत है। हमारा राष्ट्र प्रस्थान के ऐसे बिंदु पर खड़ा है जहां उसे विकसित राष्ट्रों से होड करनी है। हम विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं और एक नए भारत का उदय हो रहा है। उन्होंने देश की आज़ादी के लिए योगदान देने वाले तमाम नायकों का स्मरण करते हुए कहा कि भारत कभी भी दैन्य का शिकार नहीं था। जब भारत पराधीनता की बेड़ी में जकड़ा हुआ था तब भी भारत के लोगों ने कहा था कि हम दीनहिन नहीं है, हम कर्म के साथ अपना अधिकार मांगते हैं और अपना अधिकार छीनना भी जानते हैं। आज हमारे समक्ष विकसित राष्ट्र से हमारी होड़ की लड़ाई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना के सूत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़े हुए हैं। यह नीति एक तरह से श्रमिकों से फसलों से व मौसम से संवाद का एक ठोस उपक्रम भी है, जो सही मायनों में भारत को भारत बना सकती है। हम विकसित भारत का लक्ष्य लिए हुए उन्नत और समृद्ध भारत की ओर बढ़ रहे हैं। हमें अपनी क्षमता और सामर्थ्य से देश की पहचान को दिखाने में कैसे योगदान दे सकते हैं इस पर विचार करना चाहिए। विकसित भारत में युवाओं की भूमिका

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि युवाओं को साथ लेकर हमें नेतृत्व करना है। जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटलीकरण आदि में नेतृत्व करने के लिए युवाओं को साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति राजनीतिक समझ और पहचान को बनाने की दिशा में हमें अपना योगदान देना चाहिए। अपने जीवन को सवारते हुए देश के भविष्य को भी संवारना चाहिए। कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने गांधी हिल्स पर महात्मा गांधी एवं समता भवन स्थित बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

ध्वजारोहण के अवसर पर मंच पर अधिष्ठाता प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर, प्रो. फरहद मलिक, प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी, प्रो. दिगंबर तंगलवाड, पुस्तकालय अध्यक्ष मैत्रेयी घोष, कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, वित्त अधिकारी पी. सरदार सिंह एवं परीक्षा नियंत्रक कादर नवाज़ ख़ान उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

ध्वजारोहण के बाद कुलपति ने प्रो. कुमुद शर्मा ने पौधारोपण करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं उपक्रम लिए गए जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

हिंदी विश्वविद्यालयात कुलगुरूंच्या हस्ते ध्वजारोहण
आत्मचैतन्याने युक्त होत आहे नवा भारत प्रो. कुमुद शर्मा

वर्धा 18 ऑगस्ट 2025: नवा भारत आत्मचैतन्याने युक्त होत आहे असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या कुलगुरू प्रो.कुमुद शर्मा यांनी केले. त्या 79व्या स्वातंत्र्यदिनी ध्वजारोहणानंतर संबोधित करत होत्या. त्या म्हणाल्या, स्वातंत्र्याची कल्पना समाजात राहूनच केली जाऊ शकते, यासाठी विवेक आवश्यक आहे. आपला देश प्रस्थानाच्या अशा वळणावर उभा आहे जिथे त्याला विकसित राष्ट्रांशी शर्यत करायची आहे. आपण विकसित भारताचे ध्येय ठेवून पुढे जात आहोत आणि नवभारताचा उदय होत आहे. त्यांनी देशाच्या स्वातंत्र्य लढ्यात योगदान देणाऱ्या तमाम नायकांचे स्मरण करत म्हटले की भारत कधीही दैन्याचा शिकार राहिलेला नाही. जेव्हा भारत पराधीन होता तेव्हा सुद्धा भारताच्या लोकांनी आम्ही दीनहीन नाहीत आम्ही कर्माच्या आधारावर आपला अधिकार मागत आहोत आणि आपला अधिकार हिसकाहूनही घेऊ शकतो. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाचा उल्लेख करत कुलगुरू म्हणाल्या, आत्मनिर्भर भारताच्या संकल्पनेचे सूत्र राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाशी जोडले गेले आहे. हे धोरण एक प्रकारे श्रमिकांशी पिकांशी, ऋतुंसी संवादाचा एक ठोस उपक्रम सुद्धा आहे. यातून खऱ्या अर्थाने भारताला भारत बनविणे शक्य आहे. आपण विकसित भारताचे ध्येय ठेवून उन्नत, समृद्ध भारताच्या दिशेने चाललो आहोत. आपण आपली क्षमता व सामर्थ्य यातून देशाची ओळख पटविण्यासाठी कसे योगदान देऊ शकतो याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे. विकसित भारतासाठी युवकांची भूमिका याविषयी त्या म्हणाल्या की युवकांना सोबत घेऊन आपल्याला नेतृत्व करायचे आहे. जलवायू परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटलीकरण अशा क्षेत्रात नेतृत्व करण्यासाठी युवकांना सोबत घेण्याची गरज आहे. सर्वांना आवाहन करत त्या म्हणाल्या, देशाची आर्थिक प्रगती आणि राजकीय ज्ञान विकसित करण्यासाठी आपण योगदान दिले पाहिजे. आपले जीवन घडविण्याबरोबरच देशाचे भविष्य घडविले पाहिजे. कुलगुरू प्रो. शर्मा यांनी गांधी हिल्सवर महात्मा गांधी तर समता भवन येथील डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या मूर्तीला माल्यार्पण केले.

ध्वजारोहणप्रसंगी मंचावर अधिष्ठाता प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकूर, प्रो. फरहद मलिक, प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी, प्रो. दिगंबर तंगलवाड, पुस्तकालय अध्यक्ष मैत्रेयी घोष, कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, वित्त अधिकारी, पी. सरदार सिंह व परीक्षा नियंत्रक कादर नवाज खान उपस्थित होते. याप्रसंगी शिक्षक कर्मचारी आणि मोठ्या संख्येने विद्यार्थी उपस्थित होते.

ध्वजारोहणानंतर कुलगुरू प्रो. शर्मा यांनी वृक्षारोपण करत एक पेड मा के नाम अभियानाचा शुभारंभ केला. स्वातंत्र्य दिनाच्या पावन पर्वावर विश्वविद्यालयात हर घर तिरंगा अभियाना अंतर्गत विविध कार्यक्रम आणि उपक्रम घेण्यात आलेयात सर्वांनी उत्साहाने सहभाग नोंदविला.